Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 16, Issue No. 5, April-2019, ISSN 2230-7540

डोकलाम विवाद: भारत-भूटान संबंध

Mamta Rani*

Research Scholar, Department of Political Science, Baba Mastnath University, Rohtak, Haryana

शोध आलेखसार:- *डोकलाम विवाद का मुख्य कारण चीन की विस्तारवादी मंशा है जिसके चलते चीन का लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ विवाद चल रहा है। चीन और भूटान के बीच में वर्ष 1988 और 1998 में समझोता हुआ था कि दोनों देश डोकलाम क्षेत्र में शांति बनाए रखने की दिशा में काम करेंगे। वर्ष 1986 के बाद से ही चीन-भूटान से कुछ क्षेत्रों पर अतिक्रमण करता आ रहा है। परंतु डोकलाम विवाद में अभी तक चीन की सेना की क ई भी स्थाई उपस्थिति नहीं थी। वर्ष 1949 की भारत-भूटान संधि के अनुसार भूटान की सुरक्षा का दायित्व भारत का है। भूटान में भारतीय सेना भी तैनात हैं।भारत एकउभरती हुई महाशक्ति है जिसके कारण अपने छोटे पड़ोसी देशों को सुरक्षा प्रदान करना भारत का दायित्व है।*

मुख्य शब्द: *डोकलाम, अनिक्रमण, महाशक्ति, विवाद, विस्तारवादी।*

----------X----------

भारत-भूटान के बीच अटूट मैत्री संबंध है। दोनों पड़ सी देश उत्कृष्ट मैत्री संबंधों का उदाहरण पेश करते हैं। भारत-भूटान की मित्रता उस समय देखने क मिली जब चीन ने डोकलाम क्षेत्र में अपनी सेना तैयार की थी। जिसके चलतेभारत-चीन के बीच तनाव उत्पन्न हुआ था, जब चीन ने 16 जून 2017 को डोकलाम में सड़क बनाने की कोशिश की तो भारतीय सेना की तरफ से इसका जमकर विरोध किया गया। डोकलाम एक पठार है जो भारत के पूर्व सिक्किम जिले चीन के थंदोग काउंटी के माध्यम एवं भूटान के 'द्य' घाटी में स्थित है। यह भारत के नाथुला से केवल 15 किल मीटर की दूरी पर स्थित है। वर्तमान में इस क्षेत्र पर चीन का अधिकार है। इस क्षेत्र को लेकर चीन एवं भूटान के बीच विवाद बना हुआ है। भूटान इस पर अपना दावा करता है।

डोकलाम विवाद का प्रमुख कारण चीन की विस्तारवादी नीति है। चीन का लगभग सभी पड़ सी देशों के साथ विवाद चल रहा है। डोकलाम क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए वर्ष 1988 एवं 1998 में चीन और भूटान के बीच समझोता हुआ था। चीन ने इस समझोते को नजरअंदाज किया है। लेकिन चीन की डोकलाम में अभी तक कोई स्थाई उपस्थिति नहीं हो पाई है।

वर्तमान समय में 16 जून 2017 में चीन के सड़क निर्माण कार्य को 18 जून 2017 को भारत के द्वारा रोक दिया गया। भारत के लगभग 300 सैनिकों ने दो बुलडोजरों के साथ यह कार्य समाप्त कर दिया। इस कारण से 'डोकलाम विवाद' का आरंभ हुआ।

भारत के संदर्भ में डोकलाम का महत्व:-

डोकलाम क्षेत्र भारत के लिए विशेष महत्व रखता है। यह क्षेत्र 'चिकन नेक' के आसपास है। चीनअगर ड कलाम पर सड़क बनाने में सफल ह गया त इससे भारत के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र भी प्रभावित हो सकते हैं। चिकन नेक क्षेत्र का मतलब है, वो क्षेत्र जो सामरिक तौर पर किसी देश के लिए विशेष महत्व रखता है। लेकिन संरचना के तौर पर कमज र है। 'सिलीगुड़ी गलियारा' एक सामारिक क्षेत्र है। यह चित्र भारत के 'सात वहनों' से जुड़ता है। यह गलियारा 200 किलोमीटर लंबा और 60 किलोमीटर चौड़ा है। यह क्षेत्र भारत की एकता व सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

डोकलाम पठार पर सड़क बनाना चीन की बहुत बड़ी सामरिक जीत है। डोकलाम तिराहा इलाका है। चीन इस पर अपना दावा करता है और भूटान अपने अधिकार में रखता है। डोकलाम पठार का भारत-चीन-भूटान तीनों देशों के लिए विशेष सामरिक महत्व है।

'डोकलाम विवाद' पर भारत ने भूटान का सहयोग किया है। भारत के कड़े परिश्रम के बाद दोनों देशों ने अपने-अपने सैनिकों को वापस बुला लिया। यह विवाद लगभग 13 दिनों

www.ignited.in

तक चला था। अंत में विवाद समाप्त हो गया। 'डोकलाम विवाद' में भारत ने भूटान का साथ देकर भारत-भूटान मित्रता का एक उदाहरण पेश किया है। चीन ने अपने राजनायिक, राजनीतिक एवं सैन्य दबाव डालकर भूटान को अपने पक्षमें करने का भरपूर प्रयास किया। भूटान ने चीन का साथ न देते हुए डोकलाम विवाद पर भारत का साथ दिया है।

इसी कारण से चीन क॑ अपने कदम पीछे हटाने पड़े तथा हार माननी पड़ी। पड़ोसी देशों के साथ चीन के संबंध कटुतापूर्ण है। चीन की शुरू से ही यह मनसा रही है कि पड़ोसी देश उसके दबाव में रहे और उसका सहयोग करें।यही कारण है कि चीन काफी लंबे समय से भूटान के साथ राजनयिक संबंध बनाने के लिए उत्साहित है।

भूटान ने वर्ष 2012 में हुए भारत-भूटान समझोते का पालन किया है। इस समझोते के अनुसार भारत-चीन-भूटान तीनों देशों की सीमा के पास स्थित सभी स्थानों के विवादों का समाधान त्रिपक्षीय वार्ता के द्वारा किया जाएगा।

भारत-भूटान मैत्री संबंध:-

भारत-चीन के बीच डोकलाम विवाद को लेकर तनाव पूर्ण स्थिति बनी हुई है। डोकलाम पठार पर अधिकतर समय बर्फ जमी रहती है। इस क्षेत्र पर कभी भी खेती नहीं की जा सकती है। भूटान के क्षेत्र पर चीन सदा से ही अपना दावा पेश करता आया है। 'डोकलाम विवाद' को महत्व देते हुए भूटान ने भारत का पूरा साथ दिया है। भारत-भूटान के बीच कभी क॑ई सुरक्षा समझोता नहीं हुआ है। भारत-भूटान मैत्री संधि वर्ष (1949) और वर्ष (2007) संशोधित रूप समझोते का मुख्य आधार रही है। भूटान ने भारत का सहयोग करके दुनिया के साथ मित्रता का अटूट उदाहरण पेश किया है।

'डोकलाम विवाद' समाप्त होने के बाद भूटान के राजा 'जिग्मे खेसर नामग्याल वांगयुक' चार दिवसीय यात्रा पर भारत आए। डोकलाम विवाद के बाद भूटान के शाही परिवार का यह दौरा भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। इस यात्रा के दौरान शाही परिवार ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मैत्री संबंध आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दी।

'डोकलाम विवाद' के दौरान भारत-भूटान के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कुछ विशिष्ट शब्दों में कहा, "असाधारण समय की कसौटी पर खरे उतरते दीर्घकालिक संबंध।"

निष्कर्ष:-

इस प्रकार से डोकलाम विवाद भारत-भूटान दोनों देशों के बीच अटूट संबंधों का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। भारत-भूटान समान हितों एवं साझा संस्कृति से बंधे हुए हैं। भारत-भूटान न केवल भूमि की सीमाएं ही साझा करते हैं बल्कि एक गौरवशाली संस्कृतिक परंपरा को भी सजा करते हैं। भूटान भारत के लिए एक सामरिक सहयोगी है। दक्षिण एशिया में एक अच्छे पड़॑सी देश के रूप में भूटान भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण देश है। इसलिए भारत-भूटान दोनों देश मित्रता का एक अटूट संबंधों का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. राजेश मिश्रा, "भारतीय विदेश नीति: भूमंडलीकरण के दौर में", ओरियंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2019, पृष्ठ संख्या: 98-101
2. हिंदुस्तान टाइम्स, 17 जुलाई 2017, पृष्ठ संख्या: 24
3. अमर उजाला, 20 जुलाई 2017, पृष्ठ संख्या: 13
4. दैनिक जागरण, 19 अगस्त 2017, पृष्ठ संख्या: 14
5. प्रतियोगिता दर्पण, 2017, पृष्ठ संख्या: 870
6. http://m.dailyhint.in/news/bangladesh/hindi/samacharnama-epaper-samacnam/bhutan+me+18+aktubar+Ko+h.go+tisra+aam+churav-newsid-95002994.
7. अर्धवार्षिक समसामयिकी, दिशा पब्लिकेशन (2017), पृष्ठ संख्या: 2
8. http://hindi/edudose.com/what-is-doklam-dispute-china-India-Millitary-allFacts1-13727.html
9. www.mea.gov.in
10. नवभारत टाइम्स, 20 जुलाई 2017, पृष्ठ संख्या: 4

Corresponding Author

Mamta Rani*

Research Scholar, Department of Political Science, Baba Mastnath University, Rohtak, Haryana